HINDUSTAN PAGE 6

लड़कियां तय करती थीं कौन जीतेगा चुनाव

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

गोंडा के लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज से यूजी की पढ़ाई करके यहां आई। छोटे शहर से आकर इतने बड़े विश्वविद्यालय में पढ़ने का एक डर हमेशा रहा। एडमीशन लिस्ट में मेरा नाम पहले नम्बर पर था। लेकिन, क्लास में अपनी जगह बनाने में समय लगा। क्लास में जब भी कोई टीचर सवाल पूछते तो जवाब देती थी। तीन चार महीने के बाद एके श्रीवास्तव सर ने पूरी क्लास से सामने पूछा कि मैं कहां से आई हूं, ? यह वो मौका था जब पहली बार एक छोटे शहर से आई लड़की को पहचान मिली हो। बाद में, प्रो. राज बिसारिया सर से पढ़ने का मौका मिला। उस समय मैकफारलैंड (लामार्ट्स के प्रिंसिपल) और कुछ एक दो अन्य लोगों के साथ राज सर से अलग से पढ़ते थे।

नवम्बर 1981 में एमए अंग्रेजी में दाखिले लिया। कैलाश छात्रावास में रहते थे। मुझे याद है, तब सात साल के बाद छात्रसंघ चुनाव हुए थे। इस चुनाव में कैलाश छात्रावास की काफी मांग थी। असल में, कैलाश छात्रावास उस दौर में किंग मेकर हुआ करता था। यहां की लड़कियों का वोट तय करता था कि छात्रसंघ कौन जीतेगा ? छात्रावास में भीटिंग हुआ करती थी। हम लोग भी परेशान होते। अब छात्रनेता है तो सुनना तो पड़ता था। हम लोगों ने एक तरीका निकाला। जब किसी नेता को सुनते सुनते परेशान हो जाते तो उसे बोलने ही नहीं देते थे। जैसे ही बोलना शुरू करें तो तालियां बजाना शुरू कर देते। मुझे याद है कि एक बार चुनाव के एक रात पहले किसी प्रत्याशी ने छात्रावास में डुप्लेट बंटवाए थे। अगले दिन चुनाव की नतीजे ही पलट गए। लड़कियों ने उसे खूब वोट दिए। आज भले ही काफी समय गुजर गया हो लेकिन, आज भी जब यूनिवर्सिटी के पास से गुजरती हूं तो छात्रावास को वो कमरा और वहां गुजारे दिन याद आते हैं।

-ललिता प्रदीप, निदेशक, एसआईईटी (बेसिक शिक्षा विभाग)

11 दिसम्बर तक प्रवेश शुल्क जमा करने का मिलेगा मौका, फीस जमा करने की प्रक्रिया आज से

30 पीजी पाठ्यक्रमों की कटऑफ सूची जारी

एलयू

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक के 30 से ज्यादा पाठ्यक्रमों की कटऑफ सोमवार को जारी कर दी है। यह सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड कर दी गई है।

इनमें, दाखिले के लिए फीस जमा करने की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू होगी। इन कार्यक्रमों में फीस जमा करने की अंतिम तिथि 11 दिसंबर निर्धारित की गई है।

प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों की कटऑफ सूची में रैंक है, उन्हें फॉर्म जमा करने के समय प्रदान की गई क्रेडेंशियल्स का उपयोग करके ऑनलॉक पोर्टल पर लॉगिन करना होगा और अपनी फीस जमा करनी होगी। यदि वे पासवर्ड भूल गए हैं तो वे पोर्टल पर फॉरगॉट पासवर्ड लिंक का उपयोग करके इसे फिर से बना सकते हैं। वहीं, जिन विषयों में प्रवेश के लिए परीक्षा नहीं कराई गई थी, उनमें शुल्क जमा करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

इनकी पाठ्यक्रमों की कटऑफ की गई है जारी

आचार्य, एमए अरब कल्चर, एमए अरबी, एमए रक्षा अध्ययन, एमए भाषाविज्ञान, एमए फारसी, एमए फिलॉसफी, एमए जनसंख्या अध्ययन, एमए संस्कृत, एमए उर्दू, एमए / एमएससी योग, एमए /एमएससी जैव सांख्यिकी, एमए प्राचीन इतिहास और पुरातत्व, एमए अपराध विज्ञान और आपराधिक न्याय प्रशासन, एमए अंग्रेजी, एमए भूगोल, एमए मानव चेतना और योग विज्ञान, एमए ज्योतिर्विज्ञान, एमए राजनीति विज्ञान, मास्टर्स अस्पताल प्रशासन, मास्टर्स पब्लिक हेल्थ, मास्टर्स पब्लिक हेल्थ (सामुदायिक चिकित्सा), एम.लिब, एमएससी अनुप्रयुक्त भूविज्ञान, एमएससी जीव रसायन, एमएससी जैव प्रौद्योगिकी, एमएससी कंप्यूटर विज्ञान, एमएससी पर्यावरण विज्ञान, एमएससी खाद्य प्रसंस्करण और खाद्य प्रौद्योगिकी, एमएससी भूगर्भशास्त्र।

यूजी की खाली सीट पर मिलेगा प्रवेश का मौका

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय की स्नातक प्रवेश की मेरिट में होने के बाद भी किसी कारण से आप निर्धारित समय सीमा में दाखिला नहीं ले पाए हैं तो विश्वविद्यालय आपको एक और मौका देने जा रहा है।

खाली सीट पर एक बार फिर दाखिले लेने की तैयारी की जा रही है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट खाली सीट का ब्योरा अपलोड किया जाएगा। उसके आधार पर दाखिले होंगे। मौका सिर्फ उन्हीं अभ्यर्थियों को मिलेगा, जो मेरिट में थे।

लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक की करीब 3500 सीटें हैं। इनपर दाखिले की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। लेकिन, कई ऐसे भी अभ्यर्थी हैं जिनको सीट तो आवंटित कर दी गई, लेकिन अभी तक उनकी फीस जमा नहीं हुई। कुछ ऐसे भी हैं जिनको दूसरे संस्थानों में बेहतर विकल्प मिलने से वह दाखिले नहीं ले रहे हैं। ऐसे में कुछ सीटें अभी तक रिक्त हैं। ऐसा नहीं है कि यह पहली बार हुआ है। पिछले वर्षों में भी सीट खाली रहती थी। लेकिन, प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने का हवाला देकर विश्वविद्यालय रिक्त सीट पर दाखिले का मौका नहीं देता था। पिछले वर्षों में बी.कॉम जैसे पाठ्यक्रम तक की सीट खाली रही हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इन रिक्त सीट पर प्रवेश के लिए जल्द कार्रवाई तैयार करके जारी किया जाएगा।

3500 सीट एलयू में करीब स्नातक की है

कुलपति का दावा

- खाली सीट का ब्योरा जारी कर लिए जाएंगे दाखिले
- उन्हीं अभ्यर्थियों को मौका जो मेरिट लिस्ट में हैं

एलयू परिसर में आठ महीने के बाद लौटी रौनक

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

आठ महीने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को एक बार फिर रौनक लौट आई। ऑफलाइन क्लासेस शुरू होने पर बड़ी संख्या में छात्र पहले दिन विश्वविद्यालय पहुंचे। क्लासरूम से ज्यादा छात्र बाहर नजर आई। कई विभागों में कक्षाएं भी शुरू हो गईं। लेकिन, कई में छात्रों को बैरंग वापस लौटना पड़ा।

विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में पहले दिन विज्ञान संकाय के साथ कला संकाय के कुछ विभागों में कक्षाएं हुईं। वहीं, द्वितीय परिसर में कुछ विभागों में छात्रों को बुलाने के बाद भी कक्षाएं न होने की भी शिकायत आई। समाजशास्त्र विभाग में टाइम टेबल को लेकर संशय की स्थिति नजर आई। छात्रों का कहना था कि यहां पुराना टाइम टेबल दे दिया गया। वहीं, कई अन्य विभागों के टाइम टेबल भी जारी कर दिए गए।

कैंपस में सेल्फी लेती छात्राएं।

सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में ऑफलाइन कक्षा शुरू हो गई। काफी समय बाद कैंपस में चहल-पहल दिखी।

गवे गले, कैंटीन और गार्डन में लगाई बैठक: लम्बे समय के बाद दोस्तों से मिलने की खुशी छात्रों के चेहरे पर नजर आई। क्लास से ज्यादा भीड़ पार्क, खेल के मैदान और कैंटीन में नजर आई। वहीं, कई छात्र अपने दाखिले की प्रक्रिया को पूरा करने पहुंचे।

वाणिज्य विभाग में आज से होंगी कक्षाएं: वाणिज्य के विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश त्रिपाठी ने बताया कि मंगलवार और शुक्रवार को ऑफलाइन क्लासेस होंगा। बाकी चार दिन ऑनलाइन क्लास कराई जाएगी। ऑफलाइन क्लास में भी 50 प्रतिशत छात्रों को ही बुलाया गया है। अगर एक क्लास में दो सेक्शन हैं तो एक सेक्शन की क्लास सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक और दूसरे की दोपहर एक से शाम चार बजे तक चलेगी।

"पहले दिन अच्छी संख्या में छात्र आए थे। प्रशासन के स्तर पर भी कोविड प्रोटोकॉल को पूरा करने की व्यवस्था की गई थी। ऑफलाइन क्लासेज की अच्छी शुरुआत हुई है। छात्रों से लेकर शिक्षकों तक की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। - प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5 & 6

पीएचडी में प्रवेश पर लगी रोक हटी

एलयू

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी प्रवेश की लगी रोक हटा दी गई है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय का दावा है कि प्रवेश प्रक्रिया इसी सप्ताह से शुरू हो जाएगी।

बीते दिनों पीएचडी प्रवेश में गरीब सवर्ण वर्ग के अभ्यर्थियों को 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ न दिए जाने के कारण प्रक्रिया रोक दी गई थी। कुलपति ने बताया कि तैयारियां पूरी हो उम्मीद है कि इस सप्ताह में प्रवेश शुरू हो जाएंगे। ईडब्ल्यूएस आरक्षण को लेकर उठे विवाद के बाद विश्वविद्यालय में पीएचडी प्रवेश में भी इसे लागू कर दिया गया है। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि पीएचडी की करीब 30 अतिरिक्त सीटों पर दाखिले होंगे। यह अनुमानित संख्या है। कुलपति ने बताया कि जिन विभागों में 10 या उससे ज्यादा सीट हैं उनमें ईडब्ल्यूएस वर्ग के अभ्यर्थियों को आरक्षण का लाभ मिलेगा। सीट का ब्योरा जल्द जारी किया जाएगी। उन्होंने बताया कि करीब 25 से 30 सीट बढ़ने की उम्मीद है।

इन विभागों में हैं दस या उससे ज्यादा सीट

अर्थशास्त्र (16), अंग्रेजी (21), हिन्दी (40), पर्शियन (10), दर्शनशास्त्र (16), संस्कृत (10), समाजशास्त्र (40), अप्लाइड इकोनोमिक्स (14), वाणिज्य (21), विधि (38), बॉटनी (19), केमेस्ट्री (23), जियोलॉजी (11), गणित (15), फिजिक्स (42), सांख्यिकी (10), जूलॉजी (22)

30 से ज्यादा पीजी कोर्स की कटऑफ जारी

11 दिसंबर तक एडमिशन फीस जमा करने का मौका

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (7 Dec): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने पीजी के 30 से ज्यादा कोर्सेज की कटऑफ सोमवार को जारी कर दी. यह सूची यूनिवर्सिटी की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड कर दी गई है. मंगलवार से फीस जमा करने की प्रक्रिया होगी, फीस जमा करने की लास्ट डेट 11 दिसंबर है. प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि जिन स्टूडेंट्स की कटऑफ सूची में रैंक है, उन्हें पोर्टल पर लॉगइन कर फीस जमा करनी होगी.

इन कोर्सों की कटऑफ जारी

एमए सार्वजनिक नीति और शासन, एमए संस्कृत, एमए उर्दू, एमए-एएससी योग, एमए-एएससी जैव सांख्यिकी, एमए प्राचीन इतिहास और पुरातत्व, एमए अपराध विज्ञान और आपराधिक न्याय प्रशासन, एमए अंग्रेजी, एमए भूगोल, एमए मानव चेतना और योग विज्ञान, एमए ज्योतिर्विज्ञान, एमए राजनीति विज्ञान, मास्टर्स अस्पताल प्रशासन, मास्टर्स पब्लिक हेल्थ, मास्टर्स पब्लिक हेल्थ सामुदायिक चिकित्सा आदि.

स्टूडेंट्स को पोर्टल पर लॉगइन कर जमा करनी होगी फीस.

रिकॉर्ड टेकओवर करे एलयू...

कानपुर यूनिवर्सिटी ने लखनऊ यूनिवर्सिटी से डॉक्यूमेंट्स टेकओवर करने को कहा

LUCKNOW (7 Dec): लखनऊ यूनिवर्सिटी का क्षेत्राधिकार बढ़ने के बाद इसमें शामिल किए गए चार जनपदों के दस्तावेज कानपुर यूनिवर्सिटी ने एलयू को देने की तैयारी पूरी कर ली है. कानपुर यूनिवर्सिटी के कुलसचिव ने एलयू को पत्र भेजकर रिकॉर्ड टेकओवर करने को कहा है.

427 कॉलेज एलयू से अटैच

गोरखनाथ है कि लखनऊ यूनिवर्सिटी को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शासन स्तर से कानपुर यूनिवर्सिटी से जुड़े करीब 427 कॉलेजों को एलयू से अटैच करने को लेकर अगस्त में नोटिफिकेशन जारी किया गया था. इसमें गयबरीलो, हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर के कॉलेज शामिल हैं. उच्च शिक्षा अनुभाग से नोटिफिकेशन जारी होने के बाद एलयू के कुलसचिव ने कानपुर यूनिवर्सिटी को पत्र लिखकर रिकॉर्ड देने को कहा था. अब कानपुर यूनिवर्सिटी ने कहा है कि उसने सारे रिकॉर्ड सूचीबद्ध कर लिए हैं.

नए स्टूडेंट्स पहुंचे डिपार्टमेंट

कैम्पस खुलने का सर्वाधिक क्रेज नए स्टूडेंट्स में देखने को मिला. उन्होंने अपने डिपार्टमेंट और क्लास रूम जाकर देखे. वहीं कई स्टूडेंट्स एडमिशन की औपचारिकताएं पूरी करते नजर आए. इस दौरान इन स्टूडेंट्स ने कैंटीन में भी कैदकी लगाई.

पहले दिन साइंस की क्लास

कैम्पस में सोमवार को सिर्फ साइंस की क्लास ही चलाई गई. यहां समयसारणी के मुताबिक ब्रांचवार और सत्रवार क्लासेज कराई गईं. इस दौरान लॉकडाउन के दौरान बिताए पलों को भी एक-दूसरे से शेयर किया गया.

ऑफलाइन क्लास का नया टाइम टेबल

यूनिवर्सिटी में ऑफलाइन क्लास का नया टाइम टेबल सोमवार से लागू कर दिया गया. जिसके मुताबिक ब्रांचवार और सत्रवार का ऑफलाइन कक्षाएं दिए ऑनलाइन क्लास होंगी. जिसे उन्हीं दिनों में कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए लगाया जाएगी जहां स्टूडेंट्स की संख्या कम है. वैसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि उम्मीदों है कि अभी अधिकांश पढ़ाई ऑनलाइन हो, इसलिए टाइम टेबल में दो दिन अधिकतम पढ़ाई के लिए दिए गए हैं.

क्लास में स्टूडेंट्स मास्क लगाए दूर बैठे दिखे। वहीं, पार्क और कैंटीन में कोविड गाइडलाइंस का ध्यान नहीं रखा।

Photo Ashish Yadav

फोटोकॉपी के लिए उमड़ी भीड़

फॉरेस्ट में कोविड-19 गाइडलाइन का पालन बिना गया, सीमित फोटो कॉपी की दुकान

फिर लौटी कैंपस में बहार

लखनऊ: आठ माह से सूना पड़ा लखनऊ विश्वविद्यालय का परिसर सोमवार को छात्र-छात्राओं से गुलजार हो गया। सामान्य कक्षाओं के संचालन के साथ स्टूडेंट्स ने दिनभर हल्लाबोल किया। सेल्फी लेकर विश्वविद्यालय के पहले दिन को एंजॉय किया। हालांकि क्लास कम चलीं, पर परिसर, कैंटीन और ग्राउंड की रौनक देखते ही बनी। द्वितीय और तृतीय वर्ष के विद्यार्थी जहां अपने दोस्तों व शिक्षकों से मिलने के लिए उत्साहित नजर आ रहे थे, वहीं प्रथम वर्ष के विद्यार्थी परिसर को निहारते ही जा रहे थे। उनके लिए यकीन करना मुश्किल था कि वे उस विश्वविद्यालय का हिस्सा बन गए हैं, जिसने अभी-अभी अपनी स्थापना के सौ साल पूरे किए हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय में कोविड गाइडलाइंस का पालन करते हुए एलयू पहुंचे स्टूडेंट

NBT PAGE 4

नौ महीने बाद वही क्लास, वही कैंटीन और दोस्ती की पढ़ाई

इस यारी को नजर न लगे...

काफी वक्त बाद कैम्पस खुला। निश्चित तौर पर दोस्तों से मिलने की खुशी काफी बड़ी थी, लेकिन इस खुशी को कोरोना की नजर न लगे, इसकी जिम्मेदारी आप पर ही है। आप युवा हैं, जिम्मेदारी समझें और मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग के साथ दोस्ती की खुशियां बांटे...

PIONEER PAGE 4

पहले दिन एलयू पहुंचे छात्र, दोस्तों से मिल खिले चेहरे

कोविड 19 प्रोटोकाल के पालन में दिखी कमी, थर्मल स्कैनिंग कम की मिला अलाव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना के चलते आठ छात्रों के लिए तकरीबन 9 माह से बन्द पड़े रहे लखनऊ विश्वविद्यालय के दरवाजे सोमवार से खुल गए। पहले दिन लंबे खुलने वे तकरीबन नौ माह से घरों में पड़े आठ छात्रों के चेहरे खुशियों से मिलने की खुशी अपने चेहरे पर साफ दिखाई दे रही थी। पहला दिन होने के चलते 50 फीसद विद्यार्थियों के आने की नोटिस के बावजूद उपस्थिति कम रही लेकिन जो आए उनके चेहरे पर मुस्कान सरकार के फैसले के साथ खड़ी नजर आई।

कोविड 19 के प्रोटाकाल के अनुपालन के निर्देश के बीच सोमवार को सुबह जब विवि खुला तो शिक्षकों के साथ ही छात्रों में भी उत्साह नजर आया। महीनों बाद दोस्तों को देख मास्क के अंदर से मुस्कुराहट यह बता रही थी कि छात्र दोस्तों से मिलने के लिए कितने बेकरार थे। यह बात अलग है कि विवि अपने चाहे छात्रों के मनोस्थिति की कोई व्यवस्था नहीं की। परिसर अपने चाहे छात्र अपने साथ मेडिकल टेबल लाये थे। आगवाल जहां कक्षाएं लगी, वहां पर ही सोशल डिस्टेंसिंग दिखी। यह बात दीगर है कि क्लासेज बगैर मेडिकल्चेकर के चलीं।

इसके अलावा परिसर में सोशल डिस्टेंसिंग ऐसे भाव नहीं दिखा। न ही कहीं पर भी थर्मल स्कैनिंग देखने को मिला। वहां कक्षाओं के मेडिकल्चेकर को लेकर विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि जिन जगहों से मेडिकल्चेकर की डिमांड आई थेर वहां कराया गया। पहला दिन होने की वजह से वहां कक्षाएं नहीं कराया गया। आगले दिन से सभी चीजें सुचारु रूप से संचालित होंगी।

लॉकडाउन से जुड़े किस्से शेयर किए

कैम्पस के पहले स्टूडेंट्स एक दूसरे से मिलने की खुशी साफतौर पर दिखी। स्टूडेंट्स अपने दोस्तों से लम्बे इंतजार के मिले तो एक दूसरे को गले लगाने से खुद को रोक न सके। तो वहीं दोस्तों के साथ कैंटीन में कैडल शुरू कर दिया कोरोना संक्रमण के बचाव के लगे लॉकडाउन और उसे जुड़े किस्से एक दूसरे से शेयर किया। तो वहीं कई स्टूडेंट्स ग्रेड के मीयम में यूनिवर्सिटी के पार्क व गार्डन में खस कवरार मस्ती करते दिखाई दिए।

नए छात्र पहुंचे अपना डिपार्टमेंट देखने

वहीं कैम्पस खुलने का सबसे ज्यादा क्रेज नए स्टूडेंट्स में देखने को मिला। नए स्टूडेंट्स पहले दिन कैम्पस पहुंचकर सबसे पहले अपना डिपार्टमेंट और क्लासरूम देखने को लेकर जाएद दिखा। वहीं कुछ स्टूडेंट्स अपने एडमिशन की फॉर्मेल्टी को पूरा करते हुए भी दिखाई दिए। नए स्टूडेंट्स कैम्पस व डिपार्टमेंट आने

जाने के रास्तों के साथ ही वहां के कैंटीन के बारे में भी जानकारी प्राप्त करने में जुटे रहे।

ऑफलाइन क्लासेस का नया टाइम टेबल लागू

एलयू में ऑफ लाइन क्लास को लेकर नया टाइम टेबल सोमवार से लागू कर दिया गया है। जिसके मुताबिक ब्रांचवार और सत्रवार का ऑफलाइन कक्षाएं दिए ऑनलाइन क्लास होंगी। जिसे उन्हीं दिनों में कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए लगाया जाएगी जहां स्टूडेंट्स की संख्या कम है। वैसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि उम्मीदों है कि अभी अधिकांश पढ़ाई ऑनलाइन हो, इसलिए टाइम टेबल में दो दिन अधिकतम पढ़ाई के लिए दिए गए हैं।

15 बंक में प्रजेंटेशन

लखनऊ : लविवि के सोशल साइंसेज विभाग में बीए तृतीय ईयर स्टूडेंट्स सेमेस्टर के विद्यार्थियों को 15 दिसंबर तक ब्रामचर में 6 बंकों एक प्रेजेंटेशन असाइनमेंट देकर प्रस्तुतकरण के बाद जमाकर के इंटरनेल मार्क दिया होगा। ये 10 दिन तक होगा। डी. मनोज दीक्षित ने बताया कि ये ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों तरीकों से दिया जा सकता है। (स.प्र.)

लविवि में छढ़े हो तो भरें फार्म

लखनऊ: लविवि एक डिजीटल क्रान्ति करा है, जिसमें विश्वविद्यालय के कुछ छात्र-छात्राओं को चीजा जा रहा है। इसके लिए एक ऑनलाइन फार्म भरना होगा। अधिक ब्रेकअप के लिए (स.प्र.)

लविवि: इस साल रिकार्ड 135 विदेशी छात्रों ने किया आवेदन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विदेशी छात्रों से लखनऊ विश्वविद्यालय करोड़ों में डॉलर की कमाई कर रहा है। सत्र 2020-21 में विवि को विदेशी छात्रों से 3 करोड़ की आय हुई है। जबकि इस साल छात्रों की संख्या बढ़ने से विवि को तकरीबन 5 से 6 करोड़ की आय होने का अनुमान है। ग्लोबल बीमारी के दौर में इस बार लखनऊ विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों की आमद में अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी हुई है। इस साल बीते सत्र की अपेक्षा विदेशी छात्रों की संख्या में लिए अभी तक करीब 135 स्टूडेंट्स ने आवेदन चुके हैं। जो बीते साल की तुलना में करीब 60 प्रतिशत अधिक है। बीते साल करीब 80 विदेशी स्टूडेंट्स ने एलयू में शिक्षक कोर्सेज में एडमिशन लिया था। एडमिशन लेने वाले छात्रों से विवि प्रशासन डॉलर में शुल्क वसूलता है। एलयू के इंटरनेशनल स्टूडेंट एडवाइजर प्रो. एम आरिफ फरीद अय्यूबी का कहना है कि इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशन्स के माध्यम से काफी स्टूडेंट्स इस साल आये हैं और आने वाले भी हैं। विदेशी स्टूडेंट्स के आगमन को लेकर उनका कहना है कि विवि की तरफसे उन छात्रों को घर का माहौल देने के साथ ही सभी सुविधाओं का ध्यान रखा जाता है। इसलिए फरीन स्टूडेंट्स ज्यादा आ रहे हैं।

यह है शुल्क: एमबीए 2300 डॉलर प्रति सेमेस्टर, पीएचडी 2500 डॉलर वार्षिक, यूजी 1000 डॉलर, बीटेक 3495 हजार

विदेशी छात्रों से डॉलर में एलयू की कमाई

रिकार्ड टेकओवर करे एलयू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार बढ़ने बाद शामिल हुए चार जनपदों के दस्तावेज देने को लेकर कानपुर विश्वविद्यालय ने तैयारी पूरी कर ली है। इस बाबत कानपुर विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने एलयू को पत्र भेज कर रिकार्ड टेकओवर करने को कहा है। लखनऊ विश्वविद्यालय को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शासन स्तर पर कानपुर यूनिवर्सिटी से जुड़े तकरीबन 427 कालेजों को एलयू से अटैच करने को लेकर अगस्त में नोटिफिकेशन जारी किया गया था। इसमें गयबरीलो, हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर के कालेज शामिल हैं। उच्च शिक्षा अनुभाग से नोटिफिकेशन जारी होने के बाद एलयू के कुलसचिव ने कानपुर यूनिवर्सिटी को पत्र लिखकर रिकॉर्ड देने को कहा था। अब कानपुर यूनिवर्सिटी ने कहा है कि उसने सारे रिकॉर्ड सूचीबद्ध कर लिए हैं।

THE PIONEER PAGE 3

LU estimating biodiversity status of Raj Bhawan

PNS ■ LUCKNOW

Lucknow University is estimating the biodiversity status of Raj Bhawan. According to director of Institute of Wildlife Sciences Amita Kanaujia, it is being done under the directions of Governor Anandiben Patel and guidance of Vice-Chancellor AK Rai.

She said the governor had requested for the biodiversity estimation of Raj Bhawan. "The work is going on and the report will be submitted in about eight months," she said.

Kanaujia said they are studying the variety and abundance of insects, birds and trees at Raj Bhawan. "We are also trying to make sure that along with Raj Bhawan, Lucknow University and Lucknow zoo can become the lungs of the state capital," she said. She added that the governor initiated the project after the university estimated the biodiversity index of Lucknow.

"This is the best time to do this estimation and we will again do it in April. We are spending four hours in the morning and two hours in the evening at Raj Bhawan. There are four people involved in this work," she pointed out.

Kanaujia, who recently published a book on 'Birds of the Lucknow University', said there are 61 bird species at Lucknow University. "This figure is good but not very good. This can be maintained by making water bodies at the university. The maximum species of birds are in Kukrail forest, followed by Lucknow zoo," she pointed out.

"Out of the all the species, the ones which dominate are hornbills, tree pies and barbets. There are some trees at Lucknow University which are over 100 years old and attract birds because the wood is old and birds can make a hole in it unlike new trees," she said.

These trees include pakad, bargad, peepul, semal, jackfruit, drumstick and kadam.

Offline classes resumed at Lucknow University on Monday. All students could not attend the classes due to Covid-19 protocols and they joined online. As many as 35 students were present in the class while 11 students attended the MA third semester class online

RASHTRIYA SAHARA PAGE 7

महीनों बाद लविवि गुलजार

विश्वविद्यालय प्रशासन ने कराया कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन

लखनऊ (एसएनबी)। पिछले आठ महीनों से बंद लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को छात्रों की खासी चहलपहल दिखी। यूं तो पिछले महीने अक्टूबर और नवंबर से ही छात्र प्रयोगशाला में काम करने को लेकर आते रहते थे, लेकिन पढ़ाई के लिए सोमवार से छात्रों की भीड़ उमड़ने लगी। इस दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय में भी परिसर में आने वाले छात्रछात्राओं से कोविड-19 के प्रोटोकॉल का पालन करवाया।

कोविड-19 संक्रमण के डर के चलते पिछले कई महीनों से छात्रों की पढ़ाई लखनऊ विश्वविद्यालय में बंद करके उन्हें ऑनलाइन पढ़ाया जा रहा था, लेकिन जैसे-जैसे कोरोनावायरस कम हो रहा है उसी हिसाब से शासन की गाइड लाइन के अनुसार विश्वविद्यालय में पठनपाठन का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। अब शासन के निर्देश पर लखनऊ विश्वविद्यालय में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में कक्षाओं का संचालन होगा। विश्वविद्यालय ने इसके लिए अपनी कार्ययोजना तैयार की है। इसके अनुसार कला और वाणिज्य संकाय में सामान्य कक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को सप्ताह में दो दिन बुलाया जाएगा। बाकी दिन पहले की तरह ही ऑनलाइन कक्षाएं होती रहेंगी।

इसी प्रकार विज्ञान संकाय में प्रैक्टिकल होने की वजह से विद्यार्थियों को जरूरत के हिसाब से बुलाया जाएगा। इसके अतिरिक्त शिल्पकला संकाय में विद्यार्थियों की तीन दिन कक्षा में वैटकर पढ़ने का मौका दिया जाएगा। बड़ी संख्या में छात्रछात्राओं के लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में आने पर प्रशासन की ओर से कोविड-19 के प्रोटोकॉल का ध्यान करवाने के लिए गेट पर कर्मचारी लगाए गए थे, जो छात्रों को मास्क और सैनिटाइजर के लिए याद दिलाते दिखे।

विश्वविद्यालय परिसर में सोमवार को पढ़ाई के लिए आयी छात्रा अनुराधा ने बताया कि ऑनलाइन पठनपाठन से काफी दिक्कतें भी होती हैं। कई बार नेटवर्क प्रॉब्लम होती है तो कई बार कई सारी प्रॉब्लम स्कोर पूछने में भी दिक्कत होती है। ऐसे में ऑफलाइन पढ़ाई खुलते ही पहले दिन विश्वविद्यालय आई हैं। परास्नातक की एक छात्रा अनामिका ने बताया कि ऑफलाइन पढ़ाई की शुरुआत होते ही वह पहले ही दिन आई हैं। उन्हें कई सारे सवाल शिक्षकों से पूछने थे, इसलिए आना जरूरी थी। इसी प्रकार कई अन्य छात्र-छात्राओं ने बताया कि विगत कई महीनों से विश्वविद्यालय परिसर में ना आने से एक तो पढ़ाई की चिन्ता हो रही थी, साथ ही मित्र मंडली के साथ परिसर में बैठकर तमाम विषयों पर चर्चा भी नहीं हो पाती थी।

पीजी की कटऑफ सूची जारी : लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक प्रवेश के लिए कटऑफ सूची जारी की है। लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की गई सूची में बताया गया है कि आठ से 11 दिसंबर के बीच में छात्र अपनी फीस जमा कर ले, क्योंकि उसके बाद दूसरी सूची जारी की जाएगी। गौरतलब है कि परास्नातक प्रवेश की सूची को लेकर पिछले दिनों कई प्रकार के आरोपप्रत्यारोप लगे थे।

TOI PAGE 2

परास्नातक पाठ्यक्रमों का कट ऑफ जारी, आज से जमा होगी फीस

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को विभिन्न परास्नातक पाठ्यक्रमों की कट ऑफ सूची जारी कर विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड कर दी गई है। कट ऑफ में आने वाले विद्यार्थी मंगलवार सुबह 11 बजे से फीस जमा कर सकेंगे। इन कार्यक्रमों में फीस जमा करने की अंतिम तिथि 11 दिसंबर है। वहीं प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों की कट ऑफ सूची में रैंक है, उन्हें फॉर्म जमा करते समय प्रदान की गई आईडी का उपयोग करके पोर्टल पर लॉगिन करना होगा और अपनी फीस जमा करनी होगी। यदि वे पासवर्ड भूल गए हैं तो वे पोर्टल पर इसे रीसेट भी कर सकते हैं।

इन पाठ्यक्रम की जारी की गई है कट ऑफ

- आचार्य • अरब कल्चर • अरबी • रक्षा अध्ययन • भाषा विज्ञान • फारसी • फिलॉसफी • जनसंख्या अध्ययन • सार्वजनिक नीति और शासन • संस्कृत • उर्दू • योग • जैव सांख्यिकी • प्राचीन इतिहास और पुरातत्व • अपराध विज्ञान और आपराधिक न्याय प्रशासन • अंग्रेजी • भूगोल • मानव चेतना और योग विज्ञान • ज्योतिर्विज्ञान • राजनीति विज्ञान • मास्टर्स अस्पताल प्रशासन • मास्टर्स पब्लिक हेल्थ (समुदायिक चिकित्सा) • एमएससी अनुप्रयुक्त भूविज्ञान • जीव रसायन • जैव प्रौद्योगिकी • कंप्यूटर विज्ञान • पर्यावरण विज्ञान • खाद्य प्रसंस्करण और खाद्य प्रौद्योगिकी • भूगर्भशास्त्र

स्नातक में दाखिले से छूटे अभ्यर्थियों को मिलेगा एक और मौका

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक स्तर पर दाखिला लेने से चूक गए अभ्यर्थियों को एक और मौका दिया जाएगा। पाठ्यक्रम वार ऐसे अभ्यर्थियों के लिए कट ऑफ अगले एक-दो दिन में जारी कर दी जाएगी। अभ्यर्थी ऑ